

# असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

## प्रापिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₩ · 125]

**मई दिल्ली, बुधवार, प्रप्रेल** 21, 1982/वैसाख 1, 1904

No. 125] NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 21, 1982/BAISAKHA 1, 1904

# इस भाग में गेंभन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन कें रूप में रखा जा सबे

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate complication

विस मज्ञासय
-------------

(राजस्य विमाग)

नई विल्ली, 21 भग्रैल, 1982

सं । 132/82-भेम्बीय चल्पाव शर्म

साक्ता० (मि० 327 (म). -- केम्ब्रीय सरकार, ∫िवस्त विश्वेयक, 1982 के खंड 50 के, जो खंड असिन्तम कर संप्रहण प्रधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उस विश्वेयक में की गई थोषणा के आधार पर विश्विका बल रखता है, उपंखंड (4) के साथ पठित केम्ब्रीय उत्पाद शुस्क निषम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शन्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे सारंणी के स्तम्भ 1 में विणित धीर केम्ब्रीय उत्पाद शुस्क भीर समक प्रधिनियम 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद 1 की उपमद (1) के अन्तर्गत भाने वासी चीनी उस पर उद्घादणीय उतने उत्पाद शुस्क धीर विश्वेष उत्पाद शुस्क से छूद देती है जितना उकत सारणी के स्तम्भ (2) और (3) की तत्संबंधी प्रविष्ट में विनिधिष्ट हैं।

चीनींकावर्णम	उत्पाद- <b>मृत्क ग्रीर</b>	विमेष उत्पाद गृह
	मुक्त विश्वय जीनी	लेबी भीनी
(1)	(2)	(3)
1 मई 1982 को बारम्भ होने बाली	(स॰ प्रति निवंटल)	
भीर 30 सिलम्बर 1982 को समाप्त होने वाली भविष के दौरान कारकाने में उत्पादित चौनी औ पूर्ववर्ती तीन चीनी वंधीं की तत्त्र संधी भविष के भीमल उत्पादन से भिष्ठक है।	40.00	24.50

परन्तु उनत सारणी के स्तम्भ (2) या स्तम्भ (3) में विनिधिष्ट भूट की रकम, यथास्थिति, मुक्त विजय वीनी या सेवी वीनी पर संवेय उत्पाद शुक्क और विशेष उत्पाद शुक्क की रकम से अधिक नेहीं होगी। स्पष्टीकरण :--- इस अभिनुषना में---

(क) "ग्राँसत जल्पांदन" से, किसी कारकाने में किसी श्रवांग्र में उत्पादित चीनी के संबंध में, प्रत्येक पूर्ववर्ती तीन चीनी कवीं की तत्संबंधी श्रविध के दीरान ग्राँसत उत्पादन ग्रमिन्नेत हैं।

- (खा) "मुक्त विकय चीनी" से लेवी चीनी से भिन्न चीनी प्रभिन्नेत है।
- (ग) "लेबी चीनी" से मानश्यक वस्तु मिनियम, 1955 (1955 का 10) की घारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (च) के मिन्नीन किए गए मावेश के मधीन निक्रम किए जाने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा भर्षकित चीनी मिम्रेत हैं।
- (ष) "चीशी वर्ष" से 1 मस्तूबर को म्रारम्भ होने वाले भौर म्रागामी 30 सितम्बर को समाप्त होने वाले बारह मास की श्रवधि मिन्नेत है।
- उक्त सारणी के स्तम्भ (1) में वर्णित भविध के दौरान, उसमें वर्णित कारखाने के संबंध में जीनी के उत्पादन की संगणना करने में,--
  - (1) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के परिशिष्ट 1 में बिहित प्ररुप ग्रार०जी० 1 में या ऐसे श्रन्य ग्रभिलेख में, जो कलकटर उसत नियमों के नियम 53 या नियम 173-छ के श्रधीन बिहित करे, दिया गया डाटा ग्रपनाया जाएगा;
  - (2) गुड़ या खांडसारी चीनी को परिष्कृत करने से मिभप्राप्त चीनी हिसाब में नहीं ली जाएगी;
  - (3) किसी पूर्ववर्ती जीनी वर्ष की समाप्ति पर प्रसंस्करण में जीनी गृह में छूटे हुए उत्पादों के पुनः संस्करण से अभिप्राप्त जीनी हिसास में ली जाएगी; और
  - (4) खाराब या क्षतिग्रस्त या भूरी चीनी के पुनः प्रसंस्करण से ग्रांभ-प्राप्त कोई चीनी, यवि उत्पादित चीनी के परिमाण में उसे पहले ही सम्मिलित किया गया है, तो हिसाब में नहीं ली जाएगी।
- 3. जहां उक्त सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित मनिध के दौरान पूर्ववर्ती तीन चीनी वर्षों में से किसी के दौरान उत्पादन मून्य या वहां भौसत उत्पादन का श्रवधारण निम्नलिखित रीति से किया जाएगा :--

ऐसा भौसत पूर्ववर्ती ऐसे सीन जीनी वर्षों में जिनमें कारखाने में नास्तव में उत्पादन हुआ था, तत्संबंधी भवधियों का धौसत होगा भौर भौसत निकाजते समय उस भवधि या भवधियों को जिनमें उक्त चीनी तोन वर्षों के दौरान उसमें उत्पादन नहीं हुआ था, छोड़ दिया जाएगा।

4. इस प्रधिसूचना की कोई बात किसी ऐसे चीनी कारखाने को लागू नहीं होगी जिसमें पूर्ववर्ती सभी तीन चीनी वर्षों के दौरान, उक्त सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित भवधि में उल्पादन गृथ्य था।

> [सं० 132/82-केन्द्रीय उत्पाद शुरूक फा०सं० 14/12/82-सी एक्स 1] ग्रार० देव, ग्रवर सचिव

### MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue) NOTIFICATION

New Delhi, the 21st April, 1982 No. 132/82-Central Excises

G.S.R. 327 (E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules 1944, read with sub-clause (4) of Clause 50 of the Finance Bill, 1982, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes, Act, 1931 (16 of 1931), the force of Law, the Central Government hereby exempts sugar, described in column (1) of the Tabe below and falling under sub-item (1) of Item No. 1 of the First Schedule to the Central Excises and salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise and special duty of excise leviable thereon as is specified in the corresponding entry in columns (2) and (3) of the said Table.

TABLE			
Description of sugar	Duty of excise and Special duty of excise		
	Free sale sugar	Levy sugar	
(1)	(2)	(3)	
Sugar produced in a factory during the period commencing on the 1st day of May, 1982, and ending with the 30th day of September 1982, which is in excess of the average production of the corresponding period of the proceding three	(Rupe Quir	es per ntal)	
sugar years	40.00	24,50	

Provided that the amount of exemption specified in column (2) or column (3) of the said Table shall not exceed the amount of duty of excise and special duty of excise payable on free sale sugar or levy sugar, as the case may be.

#### EXPLANATION :- In this notification-

- (a) "average production", in relation to sugar produced in a period in a factory, means the average production during the corresponding period of each of the proceding three sugar years;
- (b) "free sale sugar" means sugar other than levy sugar:
- (c) "levy sugar" means sugar required by the Central Government to be sold under an Order made under clause (f) of sub- section (2) of section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955);
- (d) "sugary year" means the period of twelve months commencing on the 1st day of October and ending with the 30th day of September next following.
- 2. In computing the production of sugar during the period mentioned in column (1) of the Table in respect of factory mentioned therein
  - (i) the data, as furnished in Form R.G. I prescribed the Appendix 1 to Central Excise Rules 1944, or in such other record as the Collector may prescribe under rule 53 or rule 173-G of the said rules, shall be adopted;
  - (ii) any sugar obtained by refining gur or khandsari sugar shall not be taken into account;
  - (iii) any sugar obtained by reprocessing of sugarhouse products left over in process at the end of any preceding sugar year shall be taken into account; and
  - (iv) any sugar obtained by reprocessing of defective or damaged sugar or brown sugar, if the same has already been included in the quantity of sugar produced, shall not be taken into account.
- 3. Where during the period mentioned in column (1) of the said Table, production in any of the preceding three sugar years was nil, the average production shall be determined as under.—

The average shall be the average of the corresponding periods among the preceding three sugar years in which the factory had actually produced and the period or periods in which it did not produce during the said three sugar years shall be ignored while arriving at the average.

4. Nothing contained in this notification shall apply to a sugar factory where production during the period mentioned in column (1) of the said Table, during all the preceding three sugar years was nil.

[No. 132/82 CE/F.No. 14/12/82 CX-I] R. Deb, Under Secy.